

शरीर के भीतरी छह चक्रों में से एक जो नाभि के पास है जिसे मणिपूर भी कहते हैं।

कोष्ठक पुं. (तत्.) 1. लिखने में एक प्रकार के चिह्नों का जोड़ा जिसके अंदर कुछ वाक्य या अंक आदि लिखे जाते हैं, यह कई प्रकार का होता है जैसे- (), { }, [] आदि 2. किसी प्रकार की दीवार, लकीर या और कोई चीज जो किसी स्थान को घेरने के काम आती है 3. किसी प्रकार का चक्र जिसमें बहुत से खाने या घर हों, सारणी 4. कोष्ठ, अन्न भंडार 5. चहारदीवारी 6. पक्का हौज।

कोष्ठबद्ध पुं. (तत्.) पेट में मल का रुकना, कब्जीयत।

कोष्ठागार पुं. (तत्.) भंडार, कोषागार।

कोष्ठागारिक पुं. (तत्.) 1. भंडारी 2. कोशवासी प्राणी।

कोष्ठाग्नि स्त्री. (तत्.) पाचन शक्ति, आग्नेय रस।

कोष्ण वि. (तत्.) कुछ गरम और कुछ ठंडा, कटुष्ण, कुनकुना।

कोस पुं. (तद्.) दूरी का एक नाम जो लगभग दो मील मानी जाती है मुहा. कोसों या काले कोसों- बहुत दूर; कोसों दूर रहना- अलग रहना, बहुत बचना; कोसों भागना- अलग रहना।

कोसना स.क्रि. (तद्.) दुर्वचन कह कर बुरा मनाना, शाप के रूप में गालियाँ देना मुहा. पानी पी-पी कर कोसना- बहुत अधिक कोसना; कोसना काटना- शाप और गाली देना।

कोसल पुं. (तद्.) एक प्राचीन जनपद, अवध।

कोसली स्त्री. (तत्.) संगी. षाड़व जाति की एक रागिनी जिसमें ऋषभ वर्जित है वि. कोसल प्रदेश से संबंधित।

कोसा पुं. (तद्.) 1. एक प्रकार का रेशमी कपड़ा 2. मिट्टी का कसोरा।

कोसाकाटी स्त्री. (देश.) संयुक्त शाप के रूप में गाली 2. बददुआ 3. कोसने की क्रिया या भाव।

कोसिया स्त्री. (देश.) 1. मिट्टी का छोटा कसोरा 2. चूना रखने की कुंडी।

कोसी स्त्री. (तत्.) बिहार प्रदेश की एक नदी जो नेपाल के पहाड़ों से निकल कर चंपारन के पास गंगा में मिलती है।

कोह पुं. (तद्.) क्रोध, गुस्सा, रिस पुं. (फा.) पर्वत, पहाड़।

कोह आतिश पुं. (फा.) ज्वालामुखी पहाड़।

कोहकाफ पुं. (फा.) एक पहाड़ जो यूरोप और एशिया के बीच में है, 'काकेशस' पर्वत।

कोहडोरी स्त्री. (देश.) कुम्हड़े या पेठे की बनाई हुई बड़ी।

कोहडौरी स्त्री. (देश.) कुम्हड़े या पेठे की बनाई हुई बटी।

कोहनूर पुं. (फा.+अर.) एक बहुत बड़ा और प्रसिद्ध हीरा, माना जाता है कि यह हीरा महाभारत के राजा कर्ण, मालवा के राजा विक्रमादित्य, गोलकुंडा के बादशाह नादिरशाह, राजा रणजीत सिंह से होता हुआ अब अंग्रेजों के कब्जे में है।

कोहरा पुं. (देश.) कुहासा, कुहिर, कुहरा।

कोहरान पुं. (देश.) वह बस्ती जहाँ कोंहार रहते हैं।

कोहल पुं. (तत्.) 1. जौ की शराब 2. कुम्हड़े की शराब 3. एक प्रकार का बाजा 4. एक मुनि जिन्होंने सोमेश्वर से संगीत सीखा था और नाट्यशास्त्र के प्रणेता कहे जाते हैं वि. (तत्.) अस्पष्ट बोलने वाला।

कोहान पुं. (फा.) ऊँट की पीठ का कूबड़।

कोहिल पुं. (देश.) नर शाही बाज।

कोहिस्तान पुं. (फा.) पर्वतस्थली, पहाड़ी देश।

कोही वि. (तद्.) क्रोध करने वाला, गुस्सेल प्रयो. बाल ब्रह्मचारी अति कोही विश्वविदित क्षत्री कुल द्रोही -तुलसी।

कोंच पुं. (तद्.) हिमालय का एक पर्वत, कोंच पर्वत।